बर्षः- 05
अंकः- 256
मुरादाबाद
(Wednesday)
07January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक, 12 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेसवार्ता करके इसकी जानकारी साझा की।राजधानी लखनऊ में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाने के लिए नियमावली संबंधी समेत कई प्रस्ताव रखे गए। इनमें से 12 प्रस्तावों पर मुहर भी लगी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के

पहले डाका डाला अब मील का पत्थर बनेगा, पीएम मोदी की VB-G RAM G पर सीएम योगी ने दिए तर्क

लोकभवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम ने 'जी राम जी' कानून पर जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2026 की पहली कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम योगी ने पीएम मोदी की जीरामजी की खूबी गिनाईं। सीएम योगी ने कहा कि जीरामजी में रोजगार की गारंटी है। वीबी-जी राम जी से पार्दिशता बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस पार्टी और उनका INDIA गठबंधन इस महत्वपूर्ण कानून (VB-G RAM G एक्ट) को लेकर कई सवाल उठा रहे हैं। यह हैरानी की बात है कि देश के हित में, मजदूरों, किसानों और गांवों के विकास के लिए उठाए गए इस अहम कदम का समर्थन और स्वागत करने के बजाय- जिसके लिए INDI गठबंधन को प्रधानमंत्री और ND का आभार व्यक्त करना चाहिए था, वे खुलेआम अपनी पुरानी भ्रष्ट प्रथाओं का समर्थन कर रहे हैं।अगर हम VB-G RAM G एक्ट की विशेषताओं को देखें, तो यह एक महत्वपूर्ण कानून है जिसे पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने, रोजगार के अवसर पैदा करने, गारंटी देने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी संपत्ति बनाने, जिससे ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि हो, के लिए पारित किया गया है।विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह (VB-G RAM G एक्ट) विकसित भारत की नींव बनेगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब राज्य विकसित हों। राज्य तभी विकसित होंगे जब हमारी बुनियादी इकाई, यानी गांव, विकसित होगा।जब हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करेंगे, जब हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे, और जब मज़दूरों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान मिलेगा, तभी विकसित भारत का सपना आगे बढ़ेगा। मैं इसका स्वागत करता हूं और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री को दिल से धन्यवाद देता हूं। सीएम योगी ने कहा कि पहले श्रमिकों के हक पर डाका डाला जाता था। पहले की सरकार से जनता त्रस्त थी। हर जिले में भ्रष्टाचार की शिकायत थी। अब मजदूरों को समय पर भुगतान होगा। अब हाजिरी भरने की औपचारिकता नहीं होगी। ये मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्थासशक्त होगी।सीएम योगी बोले- अधिनियम आपको एक गारंटी दे रहा- सीएम योगी ने कहा, अब इस वर्ष विकसित भारत की रामजी की इस स्कीम के माध्यम से अधिनियम आपको एक गारंटी दे रहा है। टेक्नोलॉजी को कानूनी अधिकार के रूप में शामिल इसके माध्यम से किया गया है। बायोमेट्रिक उपस्थिति से जीयोटेगिंग, सैटेलाइट इमेजनेरी, रियल-टाइम मोबाइल ऐप मॉनिटरिंग और यह इस्टोर का भी इस्तेमाल हो सकता है।सीधे डिजिटल भुगतान डीबीटी के माध्यम से हम श्रमिक के खाते में सीधे पैसा भेज देंगे। यह उसके माध्यम से होगा फर्जी नामों पर पैसा उठाने का खेल अब हमेशा के लिए बंद है आपने देखा होगा इससे पहले समाजवादी पार्टी के समय में शोर-शब्बर में मनरेगा का भयंकर घोटाला हुआ था सीबीआई की इन्क्वायरी उस समय उसकी चल रही है ये भी उनके समय में लगातार होता रहा है। वहीं, मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा, मोदी सरकार द्वारा लाई गई विकसित भारत RAM G योजना गरीबों की भलाई के लिए है...समय के साथ, मोदी सरकार समाज की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ज़मीनी स्तर पर काम कर रही है।

तुम 4 नहीं 8 बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है?, असदुद्दीन ओवैसी ने नवनीत राणा पर साधा निशाना

बच्चे पैदा करने को लेकर दिए गए नवनीत राणा के बयान पर सियासी बवाल मच गया था। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने इस बयान पर ऐसी बेतुकी सोच को खत्म करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आंकड़ों के मामले में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। भारत की जनसंख्या वृद्धि चिंताजनक है। आरएसएस और भाजपा की इस तरह की बेतुकी सोच का अंत होना चाहिए।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा नेता नवनीत राणा के एक बयान पर निशाना साधा। नवनीत राणा ने कहा था कि देश की जनसांख्यिकीय संरचना पाकिस्तान जैसी न हो जाए, इसलिए उन्हें चार बच्चे पैदा करने चाहिए। ओवैसी ने राणा का नाम लिए बिना कहा कि मेरे छह बच्चे हैं और तुम 4 नहीं, आठ बच्चे पैदा करो। कौन रोक रहा है?महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा था कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है?मोहन भागवत और चंद्रबाबू नायडू के बयान का भी किया जिक्र- रैली में असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के भी बयान का जिक्र किया। दरअसल, टीडीपी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हिस्सा है और चंद्रबाबू नायडू ने भी ज्यादा बच्चे पैदा करने का बयान दिया था।उन्होंने कहा, किसी ने बयान दिया कि मौलाना ने 19 बच्चे पैदा किए। कोई कह रहा है कि चार बच्चे पैदा करो। सभी लोग कह रहे हैं कि और बच्चे पैदा करो। तुम क्यों पैदा नहीं कर रहे? मैं तुम्हें चुनौती देता हूं कि तुम 20 बच्चे पैदा करो। यह कैसा मजाक है?% नवनीत राणा ने दिया था क्या बयान?- नवनीत राणा ने कहा था, कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं, जिससे उनकी जनसंख्या बढ़ती रहती है। इससे निपटने के लिए उन्होंने हिंदुओं से भारत की रक्षा के लिए कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। भाजपा नेता ने कहा, मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। नवनीत राणा ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह मौलाना हैं या कोई और, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके 19 बच्चे और चार पत्नियां हैं, लेकिन वे 30 बच्चों की संख्या पूरी नहीं कर पाए। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हो जाएं? हमें भी तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में 12 करोड़ 55 लाख से ज्यादा मतदाता, एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी...वेबसाइट पर चेक करें नाम

उत्तर प्रदेश में मंगलवार को 12.55 करोड़ मतदाताओं की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो गई। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 2.89 करोड़ नाम हटाए गए हैं। छह फरवरी तक दावे-आपत्तियां ली जाएंगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची छह मार्च को प्रकाशित की जाएगी। यूपी में स्ढ्ढक्रकी पहली रफ सूची जारी हो गई है। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। रफ मतदाता सूची में नाम न होने पर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए उनके पास एक महीने यानी 6 फरवरी तक का समय होगा। इन्हीं 30 दिनों में दावे और आपत्तियां ली जाएंगी।3 स्टेप में ऐसे देखें नाम-नाव आयोग की वेबसाइट (https://voters.eci.gov.in/download-eroll) पर जाएं।

राज्य और जिला चुनें। इसके बाद अपना विधानसभा क्षेत्र सेलेक्ट करें। अपना बूथ सेलेक्ट करें और ड्राफ्ट सूची डाउनलोड कर लें।

तोगड़िया बोले-जल्द बनेगा जनसंख्या नियंत्रण कानून, तीसरे बच्चे पर राशन से वोट तक छिनने की चेतावनी

मुजफ्फरनगर में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द बनने का दावा किया। उन्होंने तीसरे बच्चे पर सरकारी सुविधाएं और मतदान अधिकार खत्म करने की बात कहीअंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया मुरादाबाद जाते समय मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहे पर कुछ देर के लिए रुके। यहां संगठन के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की।जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत- डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश में जल्द ही जनसंख्या नियंत्रण कानून बनेगा और वह इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

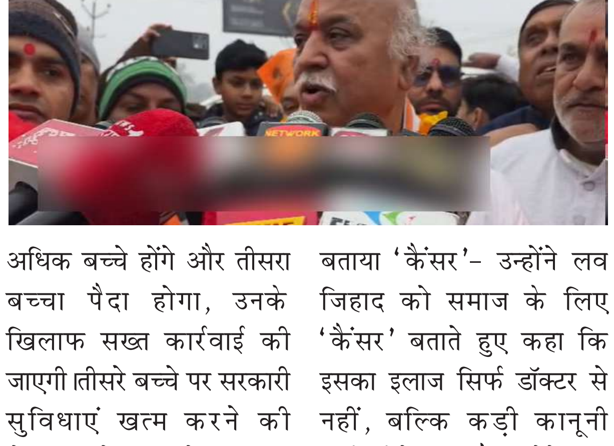

उन्होंने कहा कि कानून बनने के बाद जिन परिवारों में दो से अधिक बच्चे होंगे और तीसरा बच्चा पैदा होगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।तीसरे बच्चे पर सरकारी सुविधाएं खत्म करने की चेतावनी तोगड़िया ने कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर पूरे परिवार का सरकारी राशन बंद कराया जाएगा। बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश नहीं मिलेगा, सरकारी अस्पतालों से दवाइयां नहीं मिलेंगी और बैंक से लोन भी नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकारी नौकरी पर रोक लगेगी और वोट डालने का अधिकार भी समाप्त कर दिया जाएगा।लव जिहाद को बताया 'कैंसर'- उन्होंने लव जिहाद को समाज के लिए 'कैंसर' बताते हुए कहा कि इसका इलाज सिर्फ डॉक्टर से नहीं, बल्कि कड़ी कानूनी कार्रवाई से संभव है। उन्होंने दावा किया कि वह एक भी युवती को लव जिहाद का शिकार नहीं बनने देंगे। हनुमान चालीसा और बांग्लादेश पर बयान-तोगड़िया ने कहा कि मुजफ्फरनगर के 500 गांवों में हनुमान चालीसा का पाठ होना चाहिए। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में अत्याचार करने वालों को पकड़कर भारत लाने और जेल में डालने की मांग की।

देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस, मानहानि मामले में नोटिस जारी होने पर बोले प्रियांक खरगे

इस साल की शुरुआत में प्रियांक खरगे ने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और राज्य के स्वामित्व वाले मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में पाठ्यक्रम से बाहर की गतिविधियों के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं।प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है।अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा।कठपुतलियों से दर्ज करवा रहे मामले, बोले प्रियांक खरगे उन्होंने कहा, %कुछ चुनिंदा लोगों का मूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है।% उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा, %मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं- ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तरीकों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं?उन्होंने आगे सवाल किया, अगर आरएसएस पारदर्शी तरीके से काम करता है, तो दान सीधे संगठन को उसकी अपनी पंजीकृत पहचान के तहत क्यों नहीं दिया जाता? पंजीकृत संस्था न होते हुए भी आरएसएस अपनी वित्तीय और संगठनात्मक संरचना को कैसे बनाए रखता है? पूर्णकालिक प्रचारकों को वेतन कौन देता है और संगठन के नियमित परिचालन खर्चों को कौन पूरा करता है? बड़े पैमाने पर आयोजित कार्यक्रमों, अभियानों और जनसंपर्क गतिविधियों का वित्तपोषण कैसे होता है?आरएसएस पर खड़े किए कई सवाल- कांग्रेस नेता ने यह भी पूछा, %जब स्वयंसेवक स्थानीय कार्यालयों से वर्दी या अन्य सामग्री खरीदते हैं, तो इन निधियों का हिसाब कहां रखा जाता है? स्थानीय कार्यालयों और अन्य बुनियादी ढांचे के रखरखाव का खर्च कौन उठाता है?

ये प्रश्न पारदर्शिता और जवाबदेही के मूलभूत मुद्दे को उजागर करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर इतनी व्यापक उपस्थिति और प्रभाव के बावजूद आरएसएस अभी भी पंजीकृत क्यों नहीं है? जब भारत में प्रत्येक धार्मिक या धर्मार्थ संस्था के लिए वित्तीय पारदर्शिता अनिवार्य है, तो आरएसएस के लिए ऐसी जवाबदेही व्यवस्था का अभाव किस आधार पर उचित है?

संपादकीय Editorial

Trump attacked Venezuela and captured Maduro.

Criticism of Trump's bullying of weak countries. Allegations of drug trafficking are merely an excuse. Trump's bullying, attacking Venezuela and capturing President Nicolas Maduro. The manner in which US forces attacked Venezuela and captured President Nicolas Maduro and his wife is the height of President Trump's high-handedness. By showing his bullying in a country far weaker than the US in terms of military and economic power, Trump proved that his influence only works on weak countries. The manner in which US forces attacked Venezuela and captured President Nicolas Maduro and his wife is the height of President Trump's high-handedness. By showing his bullying in a country far weaker than the US in terms of military and economic power, Trump proved that his influence only works on weak countries. He attacked Venezuela by alleging that drugs were being smuggled into the US from there and that Nicolas Maduro's repressive policies were causing people from that country to migrate to his country illegally. This is more of an excuse, because neither drugs nor people come to the United States exclusively from Venezuela. It should also be noted that Trump did not provide evidence that Venezuelan criminal gangs were acting as terrorists against the United States at Maduro's behest. Maduro even proposed talks with Trump on this issue, but Trump ignored it. Thus, it appears that Trump was irritated that the president of the country with the largest oil reserves was unwilling to bow to his arbitrary attitude. Relations between the United States and Venezuela deteriorated after left-leaning regimes came to power and began nationalizing crude oil and mineral resources. This forced American oil companies to withdraw from Venezuela.

Trump was further angered by Maduro's strengthening of ties with Russia and China. Since Trump lacked influence with Russia and China, he targeted Venezuela. It's true that Nicolas Maduro came to power through rigged elections and was running a de facto dictatorship, but is he the only such ruler? It cannot be ignored that Trump is embracing a variety of dictators, even the terrorist leader who has taken over Syria. He is also patting the back of Pakistan's undeclared dictator, Asim Munir, despite his support for terrorist organizations. Pakistan has not only been deceiving the United States but is also a major source of large-scale drug trafficking. This trafficking occurs with the connivance of the military and its intelligence agencies, but in Trump's eyes, Pakistan is a great country. After becoming president for the second time, Trump, who has become unbridled and is disrupting the world order, is bringing shame upon himself and America. By attacking Venezuela, he has pushed the remaining rules-based international order into chaos.

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Is winter making you numb? Winter holidays aren't always the happiest time.

If you find yourself feeling stressed out and your energy dwindling while battling winter, you might be suffering from "functional freeze." Winter holidays aren't always the happiest time. We're busier than usual, and we're also battling winter illnesses. As a result, we become increasingly stressed, which can sap our energy and focus. On social media, this feeling is sometimes referred to as "functional freeze." It's a mental state caused by chronic stress, when you're able to function, but feel like you're "just surviving" and just getting by. People describe it as being "tired and stressed." Others report that, even though they are participating in social activities, they can't enjoy them and feel "emotionally numb." Clinical psychologist Janina Fisher said the symptoms people are experiencing could be due to seasonal disorders, personality deterioration, or the lingering effects of past trauma. It's the result of constantly trying to get things done. So, the most important messages get answered, work assignments get completed, the kids get fed, but you can barely bring yourself to do anything beyond the essentials. These feelings can stem from being overwhelmed by the demands of everyday life. It can also be the result of too much information. Something in the news can be so upsetting that we feel helpless. Dr. Bonanno suggests focusing on your main concerns and addressing them one by one. For example, if you're tired, are you getting enough sleep? If not, consider how you can get more sleep. Dr. Fisher suggests that when you're feeling stressed or anxious, activate your autonomic nervous system, which controls heart rate, digestion, breathing, and blood pressure. To do this, he recommends meditation, yoga, tai chi, or running to connect with your body and feel calm. Most importantly, avoid telling yourself, "I can't do it." You can fix it. Humans have a remarkable ability to adapt to challenges and move forward.

Bhagirathpura has become Pipli Live; alcohol drinkers are tested daily, but not those who drink dirty water.

After fifteen deaths due to contaminated water in Bhagirathpura, Indore, the settlement has become Pipli Live. First, complaints were ignored, now there are investigations, medicines, relief, and a multitude of officials. Serious questions have been raised about negligence, accountability, and the system. The fifteen deaths in Bhagirathpura, Indore, due to contaminated water are felt most by the families who lost their loved ones. Fearing the loss of their jobs, the surviving government officials have turned the Bhagirathpura settlement into Pipli Live. This incident has brought shame to Indore. Health department employees, wearing white aprons, are knocking on the doors of houses with the innocent cry of "Take the pill!" The government dispensary is overflowing with medicine cases. Reports are being prepared, tests are being conducted, and relief checks are being distributed. Asha and Usha workers are on duty until midnight. The slum's poor are asking why this didn't happen earlier, when we've been crying foul for a month about dirty water. Now you've come to witness our death... The guilty officers first let the taps run dirty. Now they were preparing to spend money to save their jobs, but now the situation has gone too far. Until now, the wrath fell on subordinates, but when Uma Bharti and Rahul Gandhi's tweets went viral, Bhagirathpura became a national issue. A court hearing ensued. Bhopal's concern was justified. After the order from there, two officers considered responsible for the incident finally left their homes in Indore. Bhagirathpura, where no officer had visited for years, is now seeing high-ranking IAS officers coming to that slum every morning to sniff the water. A report is being prepared. Four days ago, brave municipal officials made headlines by discovering a leak in the Narmada River water supply system under a toilet. However, their confidence was shaken. Roads were dug up again to search for the confluence of contaminated water into the Narmada River. Now, the dispensary is open until nightfall to treat patients. Doctors are on night duty. Four or five ambulances are stationed in the slum. The health department dismissed the issue by citing reports of contaminated water contamination, but when people in the slum fell ill, the department was completely unaware. What were the Usha and Asha workers doing? The main road leading to the slum was blocked. At night, the police erected barricades and tested alcoholics with machines. Residents were complaining, "Alcohol drinkers are tested daily. If they had tested those drinking contaminated water, there wouldn't have been so many deaths."

Hope: How different will this new year 2026 be? When people, tired of technology, return to comfort, reality, and less pretentiousness.

How different will this new year be?: 2026 could be the year when people tired of technology seek solace, influencers seek freedom from the pressure of content creation, and AI begins to consider shedding its artificiality. In a world that seems ready to surprise at every turn, the real question is what does 2026 hold for us? There's growing consensus that smartphones are making our lives complicated and tedious, so it wouldn't be surprising if the range of low-tech devices expands. Indeed, the surge in people's enthusiasm for these alternatives is due to the shock of consumerism, which first sold us expensive mobile phones, and now products that eliminate them have arrived on the market. But this won't be easy. While less advanced phones may provide relief from constant notifications, will gig workers at companies like Uber accept mobile phones that don't allow them to function? Secondly, these phones could deepen the notion of class and status in society. In 2026, we may see the mantra that marketing is everything reach its peak. We will see film marketing reach a new level. Film actors will become social media influencers themselves, with their own channels. This has already begun. We have seen AI generate images of its creator. Now comes the next phase. While AI images will have some flaws, they will become increasingly difficult to detect. AI art appears overly polished. When people tire of such images, they will return to art and writing that reflect reality, where flaws are not hidden, but rather, beauty and joy are found within them. Human art has a certain sloppiness; that is its beauty. In 2026, we will see if AI can incorporate this into its style. Major changes in people's behavior may also be observed. The number of people who retire at 40 or squander their savings on unnecessary things may increase because life experience has taught them they won't get it back. Given life's uncertainty, interest in gambling and prediction markets may increase in 2026. On the day of the New York City mayoral election, prediction market Kalshi placed a billboard in Times Square predicting Zohran Mamdani's victory, garnering over $120 million in bets. These platforms are opening up new avenues like gambling and commodity trading. In this context, entertainment may even become more like a game, where people can be seen betting on what will happen next in the show. While it was popular in the early 2020s to become social media influencers and document their lives, a new trend is emerging: the ex-influencer.

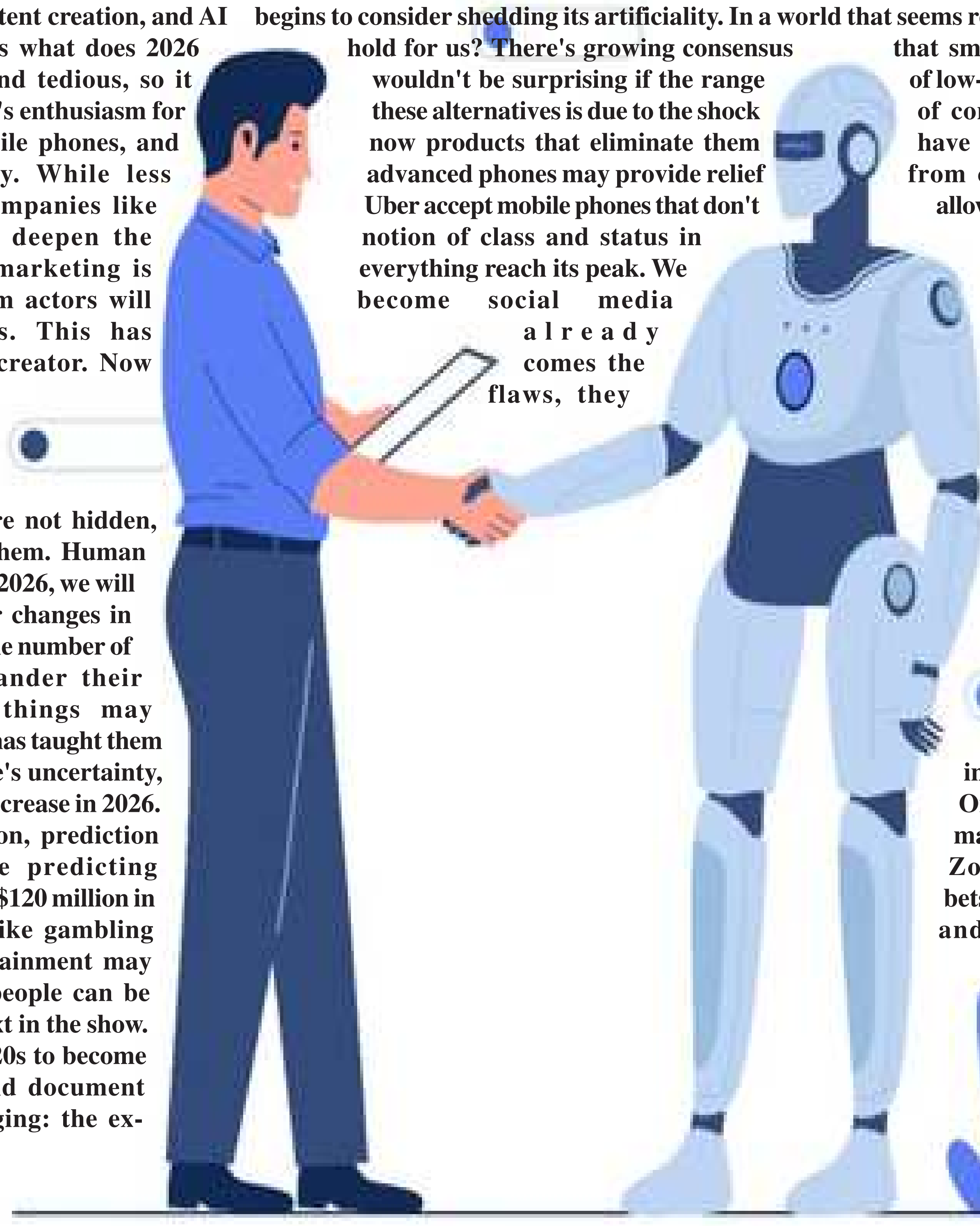

मोबाइल फोन देखते-देखते 10 साल के बच्चे को आया हार्टअटैक!...

अचानक पीछे की तरफ गिरा था मयंक; फिर उठ न पाया

यूपी में मोबाइल फोन देखते-देखते 10 साल के बच्चे को हार्टअटैक आया और उसकी मौत हो गई। कक्षा चार में पढ़ने वाला छात्र मयंक फोन देखते हुए अचानक पीछे की तरफ गिरा और फिर उठ न पाया।अमरोहा के मंडी धनौरा में कक्षा चार के एक बच्चे की मोबाइल फोन देखते समय मौत हो गई। प्रथम दृष्टया बालक की मौत हृदयगति बंद होने की वजह से मानी जा रही है। मौत की जानकारी होने पर परिजन फूट-फूट कर रोने लगे। घटना बीती 28 दिसंबर की है।गांव झुझैला चक में दीपक सैनी का परिवार रहता है। उनका 10 साल का पुत्र मयंक पास के ही गांव कैसरा के एक स्कूल में कक्षा चार का छात्र था। वह बीती 28 दिसंबर की दोपहर करीब तीन बजे अपने घर में पलंग पर बैठकर मोबाइल फोन देख रहा था। मोबाइल फोन देखते हुए मयंक अचानक पीछे की ओर गिर गया। परिजनों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। कुछ देर बाद मयंक की मां ने उसे पलंग पर बेसुध पड़ा देखा तो वह चौंक गईं। उन्होंने इसकी जानकारी अपने पति दीपक को दी। परिजन उसे गांव के ही एक चिकित्सक के पास ले गए। उसने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर परिजन फूट-फूट कर रोने लगे। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीण व रिश्तेदार भी आ गए। पिता दीपक ने बताया कि मयंक को किसी प्रकार की कोई बीमारी नहीं थी। वह सामान्य जीवन जीता था। पिता के अनुसार चिकित्सकों ने मयंक की मौत का कारण प्रथमदृष्टया हार्टअटैक बताया है। बीते 15 महीनों में हार्ट अटैक से हो गई 27 लोगों की मौत- मौसम बदलने के साथ फिर से हृदय घात के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कम उम्र में ज्यादा तनाव युवाओं के दिल को कमजोर कर रहा है। उनके परिवार वालों को बड़ा जख्म दे रहा है। बीत 15 महीनों में 27 लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। इसमें मरने वालों की अधिकांश लोगों की उम्र 40 साल से कम है। कार्यवाहक सीएमओ डॉ योगेंद्र सिंह ने बताया कि सीपीआर हार्ट अटैक के दौरान कारगर होने वाली प्रक्रिया है जिसका मतलब कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन है। यह एक जीवन रक्षक तकनीक है जो हार्ट अटैक जैसी आपात स्थिति में कारगर है। सीपीआर देने से बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। इन लोगों की भी जा चुकी है जान 29 अक्तूबर 2025 को अमरोहा नगर के मोहल्ला मोहम्मदी सराय के रहने वाले फहीन (30) की मौत हो गई। 24 जुलाई 2025 को मंडी धनौरा क्षेत्र के देहरा कादर बख्श गांव निवासी प्रवक्ता सुशील कुमार की कॉलेज में पढ़ाते समय मौत हो गई। 11 जून 2025 को अमरोहा के मोहल्ला छेबड़ा के 32 वर्षीय मजदूर मुनेश कुमार की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। 28 जनवरी 2025 को हसनपुर के मोहल्ला मोहल्ला लालबाग फाटक वाली गली निवासी फारुख की सीने दर्द के बाद मौत हो गई थी। 28 जनवरी 2025 को हसनपुर के मोहल्ला खंकर वाला कुआ निवासी रईस अहमद की मौत हो गई थी। 27 जनवरी 2025 की दोपहर को हसनपुर के लाल बाग निवासी फारूख (30) की हार्ट अटैक से जान चली गई थी। 25 जनवरी 2025 की रात को हसनपुर के खंकर कुआ निवासी रईस अहमद (30) की हार्ट अटैक से मौत। 22 जनवरी 2025 जोया में कार की सफाई करते समय 50 वर्षीय आसिफ उर्फ लाला (50) की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। 21 जनवरी 2025 को अतरासी कलां गांव के रहने वाले सपा कार्यकर्ता जफर अली (60) की मौत हो गई।

कड़ाके की सर्दी में राहे रजा पर 3 मकानों पर गरजी जेसीबी

रामपुर । मंगलवार को कड़ाके की ठंड में राहे रजा स्थित तीन मकानों पर मंगलवार की पूर्वाह्न 11 बजे आवास एवं विकास परिषद की दो जेसीबी गरजी। दोपहर तक तीनों मकानों को ध्वस्त कर दिया। लोगों का रोते-रोते बुरा हाल है। रोते-बिलखते लोगों ने सामान समेटकर फुटपाथ पर रख दिया। आवास विकास ने 500 वर्ग मीटर जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया है। इस दौरान मकान में रहने वालों और अधिकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई लेकिन, पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस दौरान भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। राहे रजा पर सुबह करीब 10:30 बजे मुरादाबाद आवास के अधिकारी कलेक्ट्रेट के सामने सड़क के किनारे बने मकानों के पास पहुंच गए। इसके बाद दो जेसीबी और भारी मात्रा में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। इसके बाद सड़क के किनारे बने मकानों पर जेसीबी चलना शुरू हो गई। लोगों ने जल्दी-जल्दी अपना-अपना सामान मकानों से निकाला और फुटपाथ पर रख दिया। महिलाएं और बच्चे जारो-कतार रोने लगे और मकानों कागजात दिखाने लगीं। लेकिन अधिकारियों ने एक नहीं सुनी और जेसीबी गरजती रही। रोती हुई हुलासो पत्नी भीमसेन ने बताया कि इनमें एक मकान उसका है जबकि, एक रामअवतार का है और एक मकान मुकेश कुमार का है। दो मकान कच्चे पक्के मकानों के पीछे बने हुए थे। इन मकानों में विक्की कुमार, मुकेश, मदन, ऊषा पत्नी सुंदर लाल, हरि ओम सैनी, राम अवतार, शोभाराम, बाबू लाल के परिवार सड़क पर आ गए हैं। राम अवतार ने बताया कि आवास विकास द्वारा कुछ दिन पहले जगह खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था। यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा था इसलिए लोगों ने मकान खाली नहीं किए थे। आवास विकास ने लोगों से वादा किया था कि 60-60 वर्ग मीटर के प्लॉट दिए जाएंगे और मुआवजा देंगे लेकिन, आवास विकास ने कुछ नहीं किया और लोगों के आशियानों को उजाड़ दिया। आवास विकास परिषद मुरादाबाद एक्सईएन रत्नेश कुशवाहा ने बताया कि आवास विकास परिषद ने जमीनें लेने के बाद इन लोगों को मुआवजा दे दिया था। इस मामले को हाईकोर्ट ने डिस्पोजल कर दिया है जिसके चलते आवास विकास परिषद ने करीब 500 वर्ग मीटर जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया है।

जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल की उपस्थिति में तहसील सदर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विद्युत, राजस्व और राशन वितरण के साथ-साथ विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 43 शिकायती पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कराया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन को पात्रता के अनुरूप सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले और उनकी प्रत्येक शिकायत और समस्या का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से समयबद्ध निस्तारण प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठंड के दृष्टिगत भी अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें तथा जरूरतमंद लोगों की सुविधा और सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जारी तिथि वार समय सारणी के अनुसार 6 जनवरी 2026 को मतदाता सूची के आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची के आलेख्य के प्रकाशन के साथ ही 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएगी इसी प्रकार 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक गणना प्रपत्रों पर निर्णय तथा दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण का कार्य किया जाएगा तथा अंतिम रूप से मतदाता सूची का प्रकाशन 6 मार्च को होना है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी नामित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी समय सारणी एवं प्रत्येक प्रक्रिया के संबंध में दिशा निर्देशों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया है कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में नामित किए गए अधिकारी बिना पूर्व स्वीकृति के किसी भी दशा में मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयबद्ध प्रक्रिया है इसमें लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नोटिस जारी करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा कहा कि पूर्वाहन 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक निर्धारित स्थल पर उपस्थित रहकर दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाए साथ ही दैनिक निस्तारण की स्थिति को भी नोटिस बोर्ड पर चस्पा करना होगा। नोटिस जारी होने के उपरांत संबंधित व्यक्ति को एक सप्ताह का समय दिया जाएगा जिसमें व्यक्ति को निस्तारण के लिए जरूरी दस्तावेज दिखाने होंगे। नोटिस बीएलओ के माध्यम से तामीला कराए जाएंगे। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के साथ-साथ नए मतदाताओं से प्रारूप 6 और संशोधन एवं शिफ्टेड मतदाताओं से प्रारूप 8 भी प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। 11 जनवरी को 11:00 बजे से 5:00 बजे तक प्रत्येक बीएलओ द्वारा मतदान केंद्र पर मतदाता सूची पढ़कर सुनाई जाएगी, इस संबंध में भी आयोग द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती संगीता गौतम, एसडीएम सदर श्री राम मोहन मीणा और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री आदित्य श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। जायद-2026 में बसंत कालीन गन्ने के साथ उड़द एवं मूंग की अंत:फसली खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग के सहयोग से किसानों को उपलब्ध कराये जा रहे हैं नि:शुल्क बीज मिनीकिट। किसान बंधु 20 जनवरी, 2026 से पूर्व पोर्टल कृषि दर्शन-2 पर अधिक से अधिक पंजीकरण कराकर योजना का उठाएं लाभ जिला गन्ना अधिकारी श्री राम किशन ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बसंत कालीन गन्ने के साथ दलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना के तहत गन्ना किसानों को उड़द और मूंग के बीज की मिनीकिट कृषि विभाग के सहयोग से नि:शुल्क वितरित की जाएगी। इस योजना में केवल कृषि विभाग में पंजीकृत गन्ना उत्पादक किसानों को ही बसंत कालीन गन्ना बुवाई के साथ अत:फसल करने वाले किसानों को ही नि:शुल्क बीज की मिनीकिट प्रदान की जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना में प्रत्येक कृषक अधिकतम एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए उड़द अथवा मूंग में से कोई एक बीज 20 किलोग्राम नि:शुल्क प्राप्त करने हेतु कृषि दर्शन-2 पोर्टल आवेदन कर सकता है। ऑनलाइन आवेदन के इच्छुक किसानों को कृषि दर्शन-2 पोर्टल पर जाकर अपनी बुकिंग करानी अनिवार्य है। पोर्टल पर बुकिंग प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है और 20 जनवरी, 2026 तक खुली रहेगी। प्राप्त आवेदनों में से पात्र किसानों का चयन ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। चयनित किसानों को उनके संबंधित विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार से बीज का वितरण किया जाएगा। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य खेती की लागत घटाना, किसानों की आय में वृद्धि करना और भूमि की उर्वरता (नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से) बनाए रखना है। जिला गन्ना अधिकारी ने गन्ना उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे 20 जनवरी, 2026 से पूर्व विभागीय पोर्टल कृषि दर्शन-2 पर अधिक से अधिक पंजीकरण कराकर इस योजना का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्रीय राजकीय कृषि बीज भंडार या सम्बन्धित गन्ना विकास परिषद कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

संभल में बिजली चोरी: मस्जिद समेत 101 स्थानों पर कार्रवाई, घर पर लगे थे खास डिवाइस, ड्रोन कैमरे से पकड़े गए

संभल जिले में बिजली निगम की छापेमारी में शहर के 52 और जिलेभर के 101 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई। इसमें मुस्तफा मस्जिद और सांसद जियाउर्रहमान के मोहल्ले दीपासराय सहित कई इलाकों में अवैध कनेक्शन मिले। सभी पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जा रही है।संभल में बिजली निगम की टीम ने सोमवार को संभल की मुस्तफा मस्जिद समेत जिलेभर में 101 और शहर में 52 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी है। छापे में सपा सांसद जियाउर्रहमान के मोहल्ले दीपासराय में भी बिजली चोरी के कई मामले सामने आए हैं। सरायतरीन स्थित मस्जिद में चोरी से बिजली के कितने लोड का इस्तेमाल हो रहा था, निगम इसकी गणना कर रहा है। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता (एसई) हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया कि संभल और चंदौसी डिवीजन में जगह-जगह छापे मारे गए। सुबह छह बजे से पुलिस, पीएसी और आरआरएफ की टीम के साथ पांच सौ से ज्यादा स्थानों पर चेकिंग की गई। संभल शहर में सांसद बर्क के क्षेत्र दीपासराय समेत खग्गू सराय, तिमरदास सराय और सरायतरीन पड़ताल के दायरे में रहे। शहर में मस्जिद समेत 52 स्थानों पर बिजली चोरी से परदा उठाने के साथ टीम ने मोहल्ला रायसत्ती, ठंडी कोठी इलाके में कटिया डालकर बिजली चोरी करने वाले भी पकड़े।एक स्थान पर चोरी की बिजली से चार ई-रिक्शा चार्ज होते मिले।एसई ने बताया कि पूरे जनपद में चार घंटे से अधिक की जांच में संभल शहर समेत चंदौसी, बबराला व अन्य कस्बों में 101 स्थानों पर बिजली चोरी के मामले उजागर हुए हैं। सभी के लोड का आकलन किया जा रहा है। जुर्माना तय करके सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।चंदौसी डिवीजन में 29 और बबराला में 20 स्थानों पर चोरी- चंदौसी शहर के मोहल्ला कुरैशियान और गांव मझोला में 29 मामले बिजली चोरी के पकड़े गए हैं। वहीं, बबराला डिवीजन के जुनावई, रजपुरा और गवां में चेकिंग के दौरान 20 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी है। एसई ने बताया कि सभी के खिलाफ जुर्माने का आकलन और एफआईआर की तैयारी की जा रही है।उजाला होने से पहले ही मारे छापे -बिजली निगम की टीमों ने सुबह छह बजे जब अभियान शुरू किया तो उस समय अंधेरा ही था। कड़ी सर्दी के कारण अधिकांश जगह लोग उठे भी नहीं थे। कुछ जगह टीमों की दस्तक पर लोग जागे और दरवाजे खुले। दिन निकल आने पर लोग जुटने लगे और टीम जहां जाती, वहीं भीड़ लग जाती थी।खास डिवाइस लगाकर की जा रही थी बिजली चोरी- बिजली निगम के जेई बीके गंगल ने बताया कि दीपासराय क्षेत्र के दीवानखाना में एक बड़े मकान में बिजली चोरी के लिए पूरा सेटअप तैयार किया गया था। उपकरण और डिवाइस की मदद से अलग-अलग कमरों में चोरी की बिजली इस्तेमाल की जा रही थी। काफी प्रयास के बाद भी कमरों के दरवाजे नहीं खोले गए। एक बुजुर्ग सामने आए और तबीयत खराब बताने पर टीम ने जबरदस्ती नहीं की।2024 में सांसद के आवास पर पकड़ी गई थी बिजली चोरी दिसंबर 2024 में भी बिजली निगम और पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान सांसद जियाउर्रहमान बर्क के दीपा सराय स्थित आवास पर भी चेकिंग हुई थी। मौके पर बिजली निगम को बिजली चोरी मिली और मीटर से छेड़खानी भी। जब बिजली निगम ने जुर्माना लगाया तो वह 1.91 करोड़ रुपये बना। एक्सईएन के यहां उनके मामले की सुनवाई हुई लेकिन अंतिम रिपोर्ट बनने के बाद सांसद अपने जुर्माने को लेकर हाईकोर्ट चले गए थे। हाईकोर्ट ने 6.50 लाख रुपये जमा कर सांसद के आवास का कनेक्शन जोड़ने के आदेश किए थे। सांसद ने जब रुपये जमा कराए तो उसके बाद से कनेक्शन जोड़ा गया। अभी बकाया जुर्माने का मामला लंबित- चल रहा है।छतों पर दौड़े लोग, ड्रोन कैमरा देखकर ठिठके- संभल के जिस मोहल्ले में भी बिजली निगम की टीम चेकिंग के लिए पहुंची। वहां पहले ड्रोन से निगरानी की गई। सूचना पर कटिया कनेक्शन से बिजली चोरी करने वाले लोग छतों की ओर भागे लेकिन जब ड्रोन कैमरा देखा तो ठिठक गए। कई लोगों ने तार हटा भी लिए लेकिन कैमरे में कैद हुए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। एसपी ने बताया कि एहतियाती तौर पर सुरक्षा के लिहाज से भी ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया गया। इससे कटिया कनेक्शन करने वाले लोग भी कैद हो गए। उन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।दिसंबर 2024 में एक मदरसे व चार मस्जिदों में पकड़ी गई थी बिजली चोरी- 14 दिसंबर 2024 को पुलिस-प्रशासन के साथ बिजली निगम की टीमों ने चेकिंग अभियान चलाया था। जिसमें पांच मस्जिद व एक मदरसे में बिजली चोरी पकड़ी गई थी। यह मस्जिद दीपा सराय, महमूद खां सराय, खग्गू सराय और मोहल्ला रायसत्ती में स्थित मदरसा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अमरिया के बरहनी गांव में राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार का भव्य स्वागत, अखंड पाठ का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना एवं चीनी मिल राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार शनिवार को अमरिया क्षेत्र के गांव बरहनी पहुंचे, जहां उनका जोगेंद्र सिंह, दारा सिंह एवं दलजीत सिंह के प्रांगण में जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों व परिजनों ने फूल-मालाओं से मंत्री का अभिनंदन कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

गांव में पिछले तीन दिनों से चल रहे अखंड पाठ का आज विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने गुरु के समक्ष माथा टेककर दारा सिंह के परिवार एवं समस्त क्षेत्रवासियों के सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान दलजीत सिंह के पुत्र के नामकरण संस्कार का भी आयोजन किया गया। मंत्री संजय सिंह गंगवार ने बालक का नाम निहाल सिंह रखा और आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह बच्चा आगे चलकर समाज को निहाल करने वाला बनेगा। कार्यक्रम में मंत्री के साथ ब्लॉक प्रमुख निशांत सिंह, अमरिया प्रतिनिधि चमकौर सिंह, धीरज, छत्रपाल, जुगनदीप सिंह, बलजीत सिंह, ओंमकार सिंह, बूटा सिंह, परमजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। धार्मिक वातावरण और श्रद्धा के साथ पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशासन ने वसीम उर्फ गंठा को किया जिलाबदर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों पर प्रशासन का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इसी क्रम में जिला अधिकारी बरेली के न्यायालय ने गुंडा एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए वसीम उर्फ गंठा को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया है।

प्रकरण संख्या 411/25 (राज्य बनाम वसीम उर्फ गंठा) में माननीय न्यायालय ने धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 के अंतर्गत अभियुक्त को जनपद की सीमाओं से बाहर रखने का आदेश पारित किया। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक है

जानकारी के अनुसार, 26 दिसंबर 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में आज 6 जनवरी को थाना बारादरी पुलिस ने अभियुक्त वसीम उर्फ गंठा पुत्र मोहम्मद नबी अहमद, निवासी ईंट पजाया चौराहा, थाना बारादरी, को आदेश की विधिवत प्रति रिसीव कराई। इसके साथ ही कार्रवाई को जनरल डायरी में दर्ज किया गया।

पुलिस अभिरक्षा में अभियुक्त को बरेली-पीलीभीत बॉर्डर तक ले जाकर जनपद की सीमा से बाहर किया गया और पीलीभीत जनपद में दाखिल कराया गया। पुलिस ने उसे आदेश पढ़कर सुनाया और सख्त चेतावनी दी कि आगामी छह माह तक किसी भी हाल में बरेली जिले की सीमा में कदम रखा तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह जिला बदर की कार्रवाई अपराध नियंत्रण, जनहित और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है।

प्रशासन ने साफ संकेत दे दिए हैं कि जिले में अराजकता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

बार एसोसिएशन चुनाव...उपाध्यक्ष पद पर हुलासी राम को मिली जीत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बार एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव की मतगणना मंगलवार को सुबह शुरू हुआ। कनिष्क उपाध्यक्ष पद पर रजत मोहन विजयी हुए।

उपाध्यक्ष पद पर हुलासी राम ने कब्जा किया। अन्य पदों के लिए मतगणना जारी थी। शाम तक सभी पदों पर परिणाम आ सकेंगे।

मंगलवार सुबह 9.30 बजे से 21 पदों के लिए मतगणना शुरू हुई। दोपहर तक कनिष्क उपाध्यक्ष का परिणाम आया। कनिष्क उपाध्यक्ष पद पर 514 वोट से रजत मोहन की विजयी रहे। उन्हें 1059 मत मिले। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी मोहम्मद नसीम सैफी को 544 वोटों से हराया।

नसीम सैफी को कुल 515 मत प्राप्त हुए। संयुक्त सचिव प्रकाशन पद पर शांतनु मिश्रा एडवोकेट 438 मत से विजय घोषित हुए। उन्हें कुल 881 मत प्राप्त हुए। उनकी प्रतिद्विंदी रीना रही जिन्हें 443 वोट प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर हुलासी राम 565 वोट प्राप्त कर विजयी रहे । निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमित कुमार सिंह को 50 वोट से हराया। वहीं अध्यक्ष और सचिव सहित 21 पदों पर मतगणना जारी थी। जिसके परिणाम शाम तक आने की बात कही जा रही है।

इससे पहले सोमवार को बरेली बार एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव का मतदान काफी गहमागहमी के बीच पूरा हुआ था। मतदान के आखिरी घंटे में फर्जी वोटिंग की शिकायत पर काफी हंगामा भी हुआ था। 80 प्रत्याशियों के पक्ष में 2428 मतदाताओं ने वोट किए थे। 88.74 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

बरेली बार एसोसिएशन चुनाव परिणाम 2026 उपाध्यक्ष पद हुलासी राम- 565 वोट अमित सिंह – 515 वोट हुलासी राम 50 वोटों से विजयी। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद- रजत मोहन – 1029 वोट नसीम सैफी – 515 वोट रजत मोहन 514 वोटों के बड़े अंतर से विजयी।संयुक्त सचिव (प्रकाशन) पद शांतनु मिश्रा – 881 वोट रीना सिंह – 419 वोट शांतनु मिश्रा 462 वोटों के भारी अंतर से विजयी। पुस्तकालय सचिव पद सौरभ अग्निहोत्री – 728 वोट प्रेरणा – 709 वोट सौरभ अग्निहोत्री 19 वोटों से विजयी।

10 जनवरी से शुरू होगा ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप-II वन्य-जीवों की सुरक्षा व अवैध शिकार पर लगेगी सख्त रोक

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी। प्रदेश में वन्य-जीवों की सुरक्षा एवं अवैध शिकार पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से 10 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप-II अभियान चलाया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही.एन. अंबाडे ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 9 टाइगर रिजर्व, 63 सामान्य वन मण्डल एवं 11 परियोजना मण्डलों में अवैध शिकार करने वालों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की जाएगी। फंदा, विद्युत करंट, स्नेयर ट्रैप एवं अन्य अवैध साधनों से शिकार करने वालों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। ऑपरेशन के लिए प्रत्येक वन मण्डल एवं टाइगर रिजर्व में उप वन मण्डल स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा,

जो साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज करेगा। अभियान की अवधि एक माह पांच दिवस की होगी, जिसमें दिन-रात सघन गश्त की जाएगी। गश्ती के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों, शिकारी गतिविधियों वाले स्थानों एवं घुमक्कड़ समुदायों के डेरों की सघन तलाशी ली जाएगी। सर्चिंग में डॉग स्क्वाड, मेटल डिटेक्टर एवं रेस्क्यू स्क्वाड की सहायता ली जाएगी। वन सीमा से लगे कृषि क्षेत्रों, फेंसिंग तथा विद्युत लाइनों के आसपास भी विशेष निगरानी रखी जाएगी।

अवैध शिकार में प्रयुक्त फंदे, करंट वायर आदि पाए जाने पर तत्काल जप्ती कर अपराध प्रकरण दर्ज किया जाएगा। साथ ही संबंधित गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को वन्य-जीव संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जाएगा। अभियान की समीक्षा प्रतिदिन वन मण्डलाधिकारी द्वारा की जाएगी, जबकि साप्ताहिक मॉनीटरिंग उच्च अधिकारियों द्वारा की जाएगी। प्रत्येक सात दिवस की कार्यवाही रिपोर्ट मुख्यालय को भेजना अनिवार्य रहेगा।

बरेली में एसआईआर की ड्राफ्ट सूची जारी, पहली लिस्ट में 26.91 लाख मतदाताओं के नाम

बरेली जिले में एसआईआर की पहली ड्राफ्ट सूची जारी कर दी गई है। इसमें कुल 26.91 लाख मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर में 716509 मतदाता एएसडी के रूप में चिह्नित किए गए हैं। 220290 ऐसे नाम हैं, जो मैप नहीं हुए हैं। इनको नोटिस जारी किया जाएगा। बरेली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद मतदाता सूची का प्रकाशन मंगलवार को कर दिया गया। चार नवंबर से प्रारंभ हुए विशेष गहन पुनरीक्षण में घर-घर जाकर मतदाताओं का सर्वे और सत्यापन किया गया है। इसके बाद 26,91,067 मतदाताओं के नामों की सूची का प्रकाशन किया गया है ।उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में चार नवंबर से एसआईआर अभियान शुरू हुआ था। उस दौरान मतदाता सूची में 34,05,520 मतदाता थे। उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर को एसआईआर के डिजिटाइजेशन का कार्य समाप्त हो गया था। इसके बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची तैयार की गई, जिसका प्रकाशन मंगलवार को कराया गया है।ड्राफ्ट सूची में 26.91 लाख लोगों के नाम - डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची में 26,91,067 मतदाता हैं। इसमें 14,82,546 पुरुष वोटर और 12,08,468 महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 53 थर्ड जेंडर मतदाता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 716509 एएसडी (अबसेंट, शिफ्टेड, डेड या डुप्लीकेट) के रूप में चिह्नित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिले में कुल 235139 मतदाताओं को नो मैपिंग के रूप में चिन्हित किया गया है, जिन्हें 27 फरवरी तक नोटिस जारी करके उनका निस्तारण किया जाना है। डीएम ने बताया कि ड्राफ्ट सूची सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई हैं। छह फरवरी तक लिए जाएंगे दावा आपत्ति- उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रशासन के बाद अब छह जनवरी से छह फरवरी तक आमजन से दावा आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके बाद छह मार्च को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाना है।

भयंकर ठंड का दौर जारी, बरेली में शीतलहर से ठिठुरे लोग; दो दिन तक राहत के आसार नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक दिन हल्की धूप खिलने के बाद मंगलवार को फिर घना कोहरा छा गया। सुबह के वक्त दृश्यात भी बेहद कम रही। कड़ाके की ठंड में शीतलहर चलने से गलन और बढ़ गई है, जिससे लोगों की कंपकंपी छूट रही है। कोहरे की वजह से दोपहर दो बजे तक सूरज के दर्शन नहीं हुए। न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस के आसपास है। अगले दो दिनों तक फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने 12वीं तक के सभी स्कूलों में विद्यार्थी की छुट्टी बढ़ा दी है।

बीते सप्ताह कोहरे से घिरे रहे शहर में सोमवार को धूप निकली पर सर्द हवा ठिठुरन का अहसास कराती रही। अधिकतम पारा एक डिग्री लुढ़ककर सामान्य से छह डिग्री कम 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश में बरेली दूसरा सबसे ठंडा जिला रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, विक्षोभ गुजरने के बाद 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में प्रभावी गिरावट से शाम से सुबह तक ठंड के बाद कोहरे में कमी से दिन में धूप निकल रही है। 12वीं तक के स्कूलों में 10 जनवरी तक छुट्टी -कड़ाके की ठंड और शीतलहर के कारण जिला प्रशासन ने 12वीं तक स्कूलों में अवकाश बढ़ा दिया है। सोमवार रात जारी आदेश के मुताबिक जिले के यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई सहित सभी शिक्षा बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के बच्चों के लिए 10 जनवरी तक अवकाश रहेगा। यह नियम सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, निजी मान्यता प्राप्त और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों पर लागू होगा।

दोहराने न पाए इंदौरा जैसा कांड.शहर भर में पानी की होगी जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इंदौर में दूषित पानी के कारण 13 से अधिक लोगों की मौत होने की घटना के मद्देनजर बरेली में भी सतर्कता बरती जा रही है। इस संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बीते दिवस कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। डीएम ने नगर निगम के वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगी टंकियों के पानी की जांच के आदेश दिए हैं। नगर निगम के वार्डों में पानी की सैंपलिंग कराकर रिपोर्ट देने के लिए जल निगम को निर्देश दिए हैं। बैठक में डीएम ने कहा कि जैसी इंदौर में घटना हुई है, वैसी कोई घटना अपने जनपद में घटित न होने पाए, इसके लिए पर्याप्त सतर्कता बरतें। निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों के माध्यम से प्रतिदिन सफाई, जलभराव वाले क्षेत्र में सफाई और एंटी लार्वा का छिड़काव कराएं। मलिन बस्तियों में सफाई और चूना आदि डलवाएं। बैठक में नगर आयुक्त ने जल निगम के जिम्मेदारों को निर्देश दिए कि सीवर व नाले की सफाई के बाद निकाले गए सिल्ट को अगले दिन तक हर हाल में हटवा लें। खुले में शौच न करने, व्यक्तिगत स्वच्छता आदि के संबंध में जन जागरूकता लाएं। कुछ घरों में पानी के सर्विस कनेक्शन नाली आदि में से होकर गये हैं, उन केसों में भी उपभोक्ता से बात कर उसे ठीक कराएं। वाटर टैंकर स्टेनलेस स्टील टैंक से रिप्लेस करा लें। स्वास्थ्य विभाग को सक्रिय रहने और यदि कहीं विशेष रूप से पानी से संबंधित बीमारियों के मरीज आ रहे हैं तो तत्काल जानकारी दें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

महिला से ब्लैकमेलिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर मांग रहा था 5 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी/करैरा। थाना करैरा पुलिस ने महिला संबंधी अपराध में त्वरित कार्रवाई करते हुए निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 5 जनवरी 2026 को फरियादिया ने थाना करैरा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि करीब एक वर्ष पूर्व उसकी दोस्ती सम्राट जाटव निवासी न्यू तहसील के पीछे, करैरा से हुई थी। इस दौरान आरोपी के पास दोनों के कुछ निजी फोटो थे। आरोपी ने इन्हीं फोटो को वायरल करने की धमकी देकर फरियादिया से 5 लाख रुपये की मांग की। साथ ही पैसे नहीं देने पर पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना करैरा में आरोपी सम्राट जाटव के विरुद्ध अपराध क्रमांक 15/26 धारा 308(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा श्री आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद सिंह छावई के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी गई। मुखबिर की सूचना पर दिनांक 6 जनवरी 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई, उप निरीक्षक अंजली सिंह, आरक्षक संदीप सिंह चौहान, हरेन्द्र सिंह एवं मत्स्येन्द्र गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

सीलिंग भूमि से अवैध कब्जा हटाने के दिये सख्त आदेश : जिलाअधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाअधिकारी अविनाश सिंह ने विकास प्राधिकरण व अन्य जिले के अधिकारियो के साथ बैठक की । जिसमें जिलाधिकारी ने जिले में नगर सीलिंग भूमि की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी बरेली द्वारा बीडीए व राजस्व अधिकारीयो को निर्देश दिया कि टीम गठित करके सीलिंग की भूमि को चिन्हित किया जाय। सीलिंग की रिक्त भूमि पर बोर्ड लगाकर सुरक्षित किया जाये एवं अवैध कब्जा पाये जाने पर दोषियो के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाये व अवैध कब्जे को तत्काल नियमानुसार हटवाया जाये।

40 मिनट पहले पहुंची बेंगलूरु- बरेली फ्लाइट , समय से पहले गई वापस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बेंगलूरु- बरेली फ्लाइट 40 मिनट पहले पहुंची और समय से पहले वापस हो गई। पहले मौसम खराबी के चलते अफसर असमंजस में रहे। सिग्नल साफ मिले तो पायलट ने 40 मिनट पहले 1~40 बजे फ्लाइट को लैंड कराया। बरेली आने का समय 2.20 बजे है, 2.30 बजे रवाना हुई। 212 यात्रियों ने बेंगलुरु से बरेली से यात्रा की।

क्रेडिट कार्ड के चक्कर में साइबर ठग ने खाते से निकाले 2.65 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। क्रेडिट कार्ड बनाने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक व्यक्ति से एप डाउनलोड करवाया। व्यक्ति ने जैसे ही उस एप खोला, उसके बैंक खाते से रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित व्यक्ति ने इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कैलाशपुरम निवासी आनंद शर्मा ने बताया कि दो जनवरी को उनके पास अंजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने क्रेडिट कार्ड जारी करने के नाम पर एक एप का लिंक भेजकर उसे डाउनलोड करने के लिए कहा। आनंद उसकी बातों में आ गए। उन्होंने एप डाउनलोड कर लिए। आनंद शर्मा ने जैसे ही उस एप को खोला, तभी उनके खाते से 265000 रुपये इंटरनेट बैकिंग के जरिये निकाल लिए गए। आनंद शर्मा को ठगी का अहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने इज्जतनगर थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दूसरे राज्यों में भी घुल रही हाथरस के गजक की मिठास, शुद्ध देसी घी-गुड़ से बनी ज्यादा की जा रही पसंद

लोग स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी गजक पसंद कर रहे हैं, जिसमें मिठास कम और तिल की मात्रा अधिक हो। शुद्ध देसी घी और गुड़ से बनी गजक की विशेष मांग देखी जा रही है।मकर संक्रांति का पर्व नजदीक आते ही हाथरस जिले में पर है। इसकी खुशबू अब केवल स्थानीय देश के कई प्रांतों तक फैल चुकी है। हाथरस रहने वाले लोगों को भी खूब भा रहा है।शहर दिल्ली के अलावा मुंबई, गुजरात, राजस्थान, व्यक्तिगत तौर पर भेजी जा रही है। कई लोग हाथरस की पारंपरिक गजक मंगवा रहे हैं। परिवहन सेवाओं का सहारा लिया जा रहा के लिए अनुकूल साबित हो रहा है। दिन में बेहतर गुणवत्ता की गजक बन रही है। सफेद है, जो बाजार में करीब 200 रुपये प्रति किलो कारोबारियों को उच्च गुणवत्ता की गजक तैयार का कहना है कि इस बार कम मीठी गजक ध्यान में रखते हुए ऐसी गजक पसंद कर रहे मात्रा अधिक हो। इसी के अनुरूप दुकानदार तैयार कर रहे हैं। शुद्ध देसी घी और गुड़ से रही है। इस साल गर्मी अच्छी पड़ी है, इसलिए

गजक का कारोबार इन-दिनों पूरे शबाब बाजारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि की गजक का स्वाद अब प्रांत के बाहर के दुकानदारों के अनुसार हाथरस से हरियाणा और मध्य प्रदेश तक गजक अपने रिश्तेदारों व परिचितों के लिए इसके लिए कोरियर और निजी है।इस वर्ष मौसम भी गजक कारोबार अच्छी धूप और रात में ठंडक के कारण तिल की कीमत भी अपेक्षाकृत कम के भाव पर उपलब्ध हैं। इससे करने में सुविधा मिल रही है। व्यापारियों की मांग ज्यादा है। लोग स्वास्थ्य को हैं, जिसमें मिठास कम और तिल की ग्राहकों की पसंद के अनुसार गजक बनी गजक की विशेष मांग देखी जा तिल की फसल अच्छी हुई है। तिल महंगे न होने से गजक की भी गुणवत्ता काफी अधिक अच्छी है। ग्राहक हाथरस से दूर-दराज के प्रांतों के लिए भी गजक भेज रहे हैं। दामों में बढ़ोतरी न होने से कारोबार में बूम आ रहा है।-नितिन वार्ष्णेय, गजक के कारोबारी। हाथरस की गजक हमेशा से बाहर जाती है। बिजनेस के तौर पर नहीं, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा आदि कई प्रांतों में भेजने के लिए हम विशेष पैकिंग करा रहे हैं, ताकि दो सप्ताह तक भी गजक ताजा ही बनी रहे।-देवेश कुमार, गजक के कारोबारी। अब देर रात तक खुल रहीं दुकानें-शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से देर रात तक गजक की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बनी रहती है। मकर संक्रांति जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे कारोबार में और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि आने वाले दिनों में बिक्री में और इजाफा होगा।

पोते से मिलने की चाह रह गई अधूरी... यूपी से पंजाब आई बुजुर्ग महिला की मौत

पंजाब के मोगा में सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला यूपी से अपने पोते से मिलने मोगा आई थी। मृतका की पहचान राम कली के रूप में हुई है।उत्तर प्रदेश से पंजाब अपने पोते से मिलने आई बुजुर्ग महिला हो गई। महिला मोगा में रहने वाले आई थी, लेकिन उसकी यह चाह पूरी ही थी कि उसे बस ने टक्कर मार दी मृतका की पहचान राम कली के रूप यूपी से मोगा अपने पोते पवन कुमार कार्यरत है। हादसा उस समय हुआ जब सड़क के दूसरी ओर जाने के लिए बस स्टैंड की ओर से तेज रफ्तार निजी इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग महिला सेवा सोसाइटी के सदस्यों ने महिला पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार बताया कि उनकी दादी बच्चों से मिलने जा रहे थे, लेकिन उनके पहुंचने से घटना के बाद बिजली विभाग के

को बस ने टक्कर मार दी और उसकी मौत अपने पोते और उसके परिवार से मिलने नहीं हो पाई। क्योंकि अभी वह मोगा पहुंची और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। में हुई है। जानकारी के अनुसार राम कली से मिलने आई थी, जो बिजली विभाग में राम कली अपने पोते का इंतजार करते हुए सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान मोगा बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर गंभीर जख्मी हो गई। हादसे के बाद समाज को तुरंत मोगा के सरकारी अस्पताल घोषित कर दिया। वहीं, हादसे के बाद बस हो गया। मृतका के पोते पवन कुमार ने यूपी से मोगा आई थी और वह उन्हें लेने पहले ही यह दर्दनाक हादसा हो गया। कर्मचारियों और यूनियन के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से इंसाफ की मांग की है। यूनियन के नेताओं का कहना है कि बिजली घर के सामने से बसें अत्यधिक तेज गति से गुजरती हैं, जिस पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और दोषी बस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं मोगा सरकारी अस्पताल की डॉ. जैस्मीन कौर ने बताया कि एक एक्सीडेंट केस में महिला राम कली को अस्पताल लाया गया था, लेकिन वह मृत अवस्था में लाई गई थीं। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है। अगला करवाई पुलिस की है।

पहले ग्रामीण को खाया, अब दो मवेशियों का किया शिकार, बाघ ने फैलाई इलाके में दहशत

लखीमपुर खीरी के धौरहरा वन रेंज क्षेत्र में ग्रामीण सिराजुद्दीन को मारने वाला बाघ अब तक नहीं पकड़ा गया है। ग्रामीणों के मुताबिक बाघ ने रविवार और सोमवार को दो मवेशियों का शिकार किया है। बाघ की दहाड़ से इलाके में दहशत है। वहीं वन विभाग की टीम ने बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए हैं। लखीमपुर खीरी के धौरहरा वन रेंज क्षेत्र में जंगली जानवरों की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत है। रविवार को बाघ घोसियाना गांव से एक बछिया उठा ले गया। सोमवार को जोगी बाबा स्थान पर एक बैल का शिकार किया है। सुजईकुंडा और रामनगर लहबड़ी गांव के खेतों में बाघ की चहलकदमी देखी गई। इससे किसानों में भय का माहौल है।सुजईकुंडा गांव निवासी प्रगतिशील किसान सभ्रांत शुक्ला के खेत में बाघ को टहलते देख किसानों ने सिंचाई

का काम छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर लिया। इससे पहले भी क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी के संकेत मिलते रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय दहाड़ सुनाई देना आम हो गया है।30 दिसंबर को बाघ के हमले से हुई थी ग्रामीण की मौत

बीते 30 दिसंबर को मंगरौली गांव निवासी सिराजुद्दीन (65) हरदुआ नाले के पास गोंदी काटने गए थे। जहां बाघ के हमले से उनकी मौत हो गई थी। 31 दिसंबर की सुबह उनका अधखाया शव बरामद हुआ था। इसके बाद से वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी कर रही है, लेकिन बाघ अब तक पकड़ा नहीं जा सका है। बाघ लगातार शिकार कर रहा है। रविवार को घोसियाना गांव में एक बछिया और सोमवार शांम को जोगी बाबा स्थान पर एक बैल का शिकार करने बाघ बाघ रात भर दहाड़ता रहा।

प्रगतिशील किसान सभ्रांत शुक्ला व पूर्व प्रधान शशांक शुक्ला ने बताया कि सोमवार को भी बाघ खेतों में चहलकदमी करता दिखाई दिया। रामनगर लहबड़ी निवासी कोल्हू संचालक मोहम्मद खालिक व दीपू सचान ने बताया कि रात में बाघ की दहाड़ सुनाई देती है, जिससे लोग घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

वन विभाग ने तीन स्थानों पर लगाए नाइट विजन कैमरे और पिंजरे

धौरहरा वन रेंज के जोगी बाबा स्थान, मंगरौली , चहमलपुर, राजापुर पेमन सहित तीन जगहों पर वन विभाग ने नाइट विजन कैमरे लगाए हैं। वन टीम लगातार निगरानी कर रही है। क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि बाघ की लोकेशन ट्रेस की जा रही है। तीन जगह पर कैमरे और पिंजरे लगाए गए हैं। ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई।

बाघ के हमले में मारे गए बुजुर्ग की पत्नी को दी पांच लाख की मदद

बीते 30 दिसंबर को बाघ के हमले में मारे गए मंगरौली गांव निवासी सिराजुद्दीन की पत्नी शाहजहां उर्फ शकीला को मुआवजे के रूप में सरकार से प्रदत्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी और एसडीएम की उपस्थिति में प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

निजी व्यक्तियों के खिलाफ अतिक्रमण हटाने की मांग में दायर जनहित याचिका पोषणीय नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के एक कब्रिस्तान में निजी व्यक्तियों की ओर से किए गए कथित अतिक्रमण और नमाज पढ़ने में बाधा डालने के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। कहा, निजी व्यक्तियों के खिलाफ इस प्रकार की याचिका विचारणीय नहीं है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के एक कब्रिस्तान में निजी व्यक्तियों की ओर से किए गए कथित अतिक्रमण और नमाज पढ़ने में बाधा डालने के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। कहा, निजी व्यक्तियों के खिलाफ इस प्रकार की याचिका विचारणीय नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने दिया है।याची अशरफ अंसारी की ओर से गाजीपुर के अवथही बसंत, मोहम्मदाबाद में प्लॉट संख्या-31 को लेकर जनहित याचिका दायर की गई थी। याची का आरोप था कि स्थानीय ओम प्रकाश राय व अमित राय ने कब्रिस्तान की जमीन पर अतिक्रमण कर रहे हैं। बांस और लकड़ी के ढांचे खड़े कर मुस्लिम समुदाय को नमाज अदा करने से रोका जा रहा है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि यह विवाद निजी व्यक्तियों के बीच का है। इसमें किसी वैधानिक या सार्वजनिक कर्तव्य का उल्लंघन नहीं पाया गया। इसलिए निजी व्यक्तियों के खिलाफ परमादेश जारी नहीं किया जा सकता। एसडीएम रिपोर्ट में मौके पर किसी भी प्रकार के स्थायी या अस्थायी अतिक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। कोर्ट ने कहा कि अतिक्रमण और प्रार्थना के अधिकार जैसे मुद्दे तथ्यों के विवादित प्रश्न हैं, जिन्हें रिट अधिकार क्षेत्र के तहत तय नहीं किया जा सकता। राजस्व अभिलेखों में जमीन ईदगाह या मस्जिद के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है। याची वहां नमाज पढ़ने का अधिकार जताते हैं तो उन्हें इसे उचित मंच पर साबित करना होगा। कोर्ट ने जनहित याचिका खारिज कर दी। हालांकि, याची को कानून के अनुसार अन्य उपलब्ध कानूनी उपचारों का सहारा लेने की छूट दी है।

रामपुर में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई, तीन मकान पर चली जेसीबी, लोगों ने किया विरोध... जमकर हंगामा

रामपुर की आवास विकास कॉलोनी में अतिक्रमण के अखिलाफ चलाया गया। तीन मकानों को तोड़ने पहुंची टीम को देख परिवारों ने हंगामा किया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से मकान तोड़े गए। रामपुर की आवास विकास कॉलोनी की जमीन पर बने तीन मकान पर दिल निकलते ही जेसीबी गरजी। इस दौरान परिवार के लोगों ने हंगामा भी किया। आवास विकास परिषद की टीम मंगलवार को जोहार अली रोड स्थित कॉलोनी में पहुंची। यहां पर टीम ने अवैध रूप से बने तीन मकान को अवैध बताते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।इस कार्रवाई से खलबली मच गई। परिवार के लोग सड़कों पर आ गए और उन्होंने हंगामा किया। इस दौरान भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मकान को तोड़े जाने का काम जारी रहा। मकान स्वामियों का कहना था कि वह 1970 से जहां पर रह रहे हैं। इस जमीन को अब आवास विकास अपना बता रहा है। आवाज विकास परिषद ने उनका कोई मुआवजा भी नहीं दिया है।

नसबंदी के बाद भी गर्भवती हो गईं 64 महिलाएं, विभाग ने दिया मुआवजा, देर से दावे पर आठ केस किए निरस्त

अलीगढ़ में ऐसे मामले भी आए हैं जब नसबंदी कराने के बाद भी महिला गर्भवती हो गई। ऐसे 64 मामलों में विभाग ने मुआवजा प्रदान किया है।अलीगढ़ जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 2025 में नसबंदी कराने के बावजूद 64 महिलाएं दोबारा गर्भवती हो गईं। इन मामलों में विभाग ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है, हालांकि नियमों की अनदेखी के कारण आठ महिलाओं के दावे निरस्त भी कर दिए गए हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नसबंदी के बाद गर्भवती हुई महिलाओं द्वारा अपील किए जाने पर अब तक 62 केसों की मुआवजा राशि विभाग के पास आ गई है। वहीं, छह ब्लॉकों से आए आठ दावों को निरस्त कर दिया गया है। नियमानुसार, गर्भधारण की सूचना 90 दिनों के भीतर विभाग को देनी अनिवार्य है। खारिज किए गए दावों में लोधा और छर्रा के दो-दो केस हैं, जबकि अकराबाद, जवां, टप्पल, गोंडा का एक-एक केस है।90 दिन के बाद दावा करने पर नसबंदी के बाद गर्भवती होने के आठ केस निरस्त किए गए हैं। इनके संबंध में संबंधित सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षकों को सूचना दे दी है। जिले में 64 केस नसबंदी फेलियर के हुए हैं। - डॉ. नीरज त्यागी, सीएमओ महिलाओं का रुझान अधिक, पुरुष अभी भी पीछेवर्ष 2024 - महिला नसबंदी- 6000 के मुकाबले 6200 यानी 103 प्रतिशत- पुरुष नसबंदी- 80 के मुकाबले 40 यानी 50 प्रतिशत

मामा के घर जा रहे बाइक सवार को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, पैर टूटा, जिला अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश

फर्रुखाबाद- फर्रुखाबाद। जिले के कमालगंज क्षेत्र में सोमवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक ट्रैक्टर चालक द्वारा लापरवाही से अचानक वाहन पीछे करने के कारण यह दुर्घटना हुई, जिसमें युवक का पैर टूट गया। घायल को डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्या है पूरा मामला? प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहजहांपुर के जलालाबाद निवासी 25 वर्षीय भूपेंद्र (पुत्र मुकेश कुमार) सोमवार को अपनी बाइक से कन्नौज जा रहे थे। भूपेंद्र ने बताया कि वह कन्नौज स्थित अपने मामा के घर जा रहे थे। सोमवार रात जब वह कमालगंज के पास पहुंचे, तभी आगे चल रहे एक ट्रैक्टर चालक ने अचानक अपना ट्रैक्टर पीछे (बैक) कर दिया। इससे भूपेंद्र की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और वह हादसे का शिकार हो गए। डॉक्टर ने दी जानकारी घायल अवस्था में भूपेंद्र को रात करीब 8ऀ30 बजे फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। ड्यूटी पर तैनात डॉ. एन. हुड्डा ने बताया कि एक्सीडेंट में युवक का पैर टूट गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। फिलहाल युवक की हालत स्थिर है।

ग्राम पंचायत कल्याणपुर का मजरा सेमरा पुरवा विकास कार्यों से दूर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव/ श्रावस्ती विकासखंड गिलौला के ग्राम पंचायत कल्याणपुर के मजरा सेमरा पुरवा में विकास कार्य ठप जिम्मेदार ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव मौन ग्राम पंचायत कल्याणपुर के मजरा सेमरा पुरवा मूलभूत समस्या सुविधाओं से काफी दूर चुने हुए जनप्रतिनिधि व ग्राम सचिव सरकार द्वारा दी जा रही ग्रामीण विकास योजनाओं पर पानी फेरने पर आमादा गांव वालों का कहना है कि अभी तक गांव के किसी भी गरीब को सरकारी विकास लाभ नहीं मिला अभी तक हमारे गांव में नाली निर्माण नहीं कराया गया और न ही इस कड़ाके की ठंड में बुजुर्ग महिलाओं व पुरुषों को सरकार द्वारा दिया गया कंबल भी वितरित किया गया ग्रामीणों का कहना है कि गांव के नजदीक घर का ढेर लगा हुआ है जिससे अनेकों बीमारियां फैलती हैं सफाई कर्मी कई महीनो से गांव को देखने भी नहीं आए बरसात के मौसम में रास्ते पर जल भराव की समस्या बनी रहती है जिससे कई प्रकार की बीमारियां फैलती हैं बूढ़े बच्चे बीमार होते हैं और इस गरीबी के हालात में इलाज भी संभव नहीं हो पा रहा है जिससे कई ग्रामीण की जान भी चली जाती है इसके बारे में जब ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान से कहा तो साफ इनकार करके विकास कार्यों को नजर अंदाज करते रहे ग्रामीणों का कहना है कि साहाबा की तरफ खड़ंजा निर्माण कराया भी गया तो पीले ईटों से कर दिया गया जो मानक विहीन है ग्रामीणों ने आरोप लगाया मनरेगा में भी लाखों रुपए का घोटाला किया गया है जिसकी आज तक कोई जांच नहीं हो पाई तालाब सुंदरीकरण में भी जो पैसा आया उसे घोटाले की भेंट चढ़ गया सरकार द्वारा विद्यालय को जो 30ल का बजट दिया जाता है वह भी विद्यालय के हित में नहीं खर्च किया गया सरकारी योजनाओं के लाखों रुपए को चूना लगा रहे ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान के पास प्रधान का चुनाव जीतने से पहले कुछ भी नहीं था लेकिन आज 5 वर्षीय योजनाओं के बीत जाने के बाद कार्यकाल खत्म होते-होते प्रधान के पास दो दस टायर वाला ट्रक दो ट्रैक्टर ट्रॉली व कई जगह अवैध रूप से जमीन भी खरीदी है और फर्नीचर की दुकान को भी खोल लिया गया है जिस पर अवैध रूप से लकड़ी काटकर बिना परमिट के बिजनेस को बढ़ावा दिया जा रहा है यह भी अपने आप में एक बड़ा सवाल है कि ग्रामीणों के बार-बार शिकायत करने के बाद भी भ्रष्टाचार में लिप्त प्रधान और सचिव पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिलाधिकारी से ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान की संपत्तियों की जांच करने की मांग की है और ग्राम पंचायत कल्याणपुर में विकास कार्यों में जो सरकार द्वारा बजट का आवंटन किया गया है और जितना गबन किया गया है इसकी भी जांच करने की मांग की गई है जिलाधिकारी महोदय से ग्रामीण सूरज लाल राघव राम पिंटू लाल शोभाराम यादव निब्बार, छेदन, सेमावती पार्वती,जगत राम आदि सभी लोगों ने न्याय की गुहार लगाई है और प्रधान की संपत्तियां तथा उनके पंचवर्षीय कार्यकाल की भी जांच करने की मांग की है

कमरे में लटकता मिला डी-फार्मा छात्र का शव, किराये के मकान में रहता था; पुलिस कर रही जांच

बहराइच में डी-फार्मा छात्र का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। वह किराये के मकान में रहता था। पेपर छूट जाने से तनाव में चल रहा था। पुलिस जांच कर रही है।यूपी के बहराइच में मंगलवार की सुबह डी-फार्मा के छात्र की लाश कमरे में फंदे से लटकती मिली। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले की जांच की जा रही है।घटना कोतवाली देहात क्षेत्र के चेतरा गांव की है। राजन (20) यहां पर किराये पर कमरा लेकर रहता था। वह पास ही स्थित स्पार्क कालेज से डी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। मूल रूप से श्रावस्ती जिले के अग्गापुर गांव का रहने वाला था। मकान मालिक बृजेश पुष्कर ने बताया कि सुबह काफी देर तक राजन का कमरा नहीं खुला। इस पर उन्होंने आवाज देकर उसे बुलाया। फिर भी कोई आवाज नहीं आई। उन्होंने रोशनदान से कमरे के अंदर झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। राजन फंदे से लटक रहा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी जुटाई। खबर पाकर घरवाले रोत बिलखते मौके पर पहुंचे। पिता मक्खनलाल ने बताया कि इस बार बेटे का पेपर छूट गया था। इससे वह परेशान रहता था। उसने बताया था कि नकल के आरोप में उसे पेपर नहीं देने दिया गया था।

नाली निर्माण में धांधली हो रहा पीले ईट का प्रयोग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती विकासखंड हरिहरपुर रानी के अंतर्गत लक्ष्मनपुर कोठी ग्राम पंचायत में नाली का निर्माण ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है जिसमें सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है ग्रामीणो में आक्रोश व्याप्त है ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान व सचिव से नाली निर्माण ठेकेदार द्वारा धाधली करने व मानक विहीन पीले ईट लगाने को लेकर नाराजगी जताई है और बताया जा रहा है कि नाली निर्माण में पीले ईट राप्ती नदी रेत का बालू कम सिमेंट का प्रयोग किया जा रहा है

और सरकारी धन का बंदर बांट करके दुरुपयोग किया जा रहा है जबकि ग्राम प्रधान द्वारा स्वयं नाली ना बनवाकर ठेकेदारी प्रथा के अनुसार बनवा रहे हैं जो ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने ठेकेदारी प्रथम से कमीशन खोरी के चलते सुचारू रूप से ईट का प्रयोग न करके पीले ईट का प्रयोग ठेकेदार कर रहा है जिस पर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी श्रावस्ती से मांग किया है कि ग्राम पंचायत की जांच कर कर और ग्राम प्रधान सचिव पर कार्रवाई करने की मांग किया है और मानक के अनुसार नाली निर्माण कराए जाने की मांग किया है।

9 गोवंशों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी / जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/ फर्रुखाबाद। जिले में कानपुर-कासगंज रेल मार्ग पर हुए अलग-अलग हादसों में 9 गोवंशों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सबसे बड़ा हादसा कमालगंज थाना क्षेत्र में हुआ, जहाँ अंत्योदय एक्सप्रेस से कटकर एक साथ 7 गोवंशों की जान चली गई। सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और गौरक्षा महासंघ के पदाधिकारियों ने जेसीबी मंगवाकर मृत गोवंशों को दफन करवाया।

कमालगंज में हुआ सबसे बड़ा हादसा घटना कमालगंज थाना क्षेत्र के नगला दाऊद स्थित नवीन मंडी के पास की है। यहाँ गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस की टक्कर से 7 गोवंशों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के कारण ट्रेन करीब 20 मिनट तक ट्रैक पर ही खड़ी रही, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। सूचना पर गुमटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और ट्रैक साफ करवाकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया।

जेसीबी से खुदवाया गया गड्ढा हादसे की जानकारी मिलते ही अखिल भारतीय गौरक्षा महासंघ के प्रदेश महामंत्री अब्दुल जब्बार, जिला अध्यक्ष हरिगिरि और ब्लॉक अध्यक्ष शिवम ठाकुर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभारी थानाध्यक्ष संदीप कुमार और खंड विकास अधिकारी अनिल चंद्रा को स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद नगर पंचायत की जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर सभी मृत गोवंशों का विधिवत अंतिम संस्कार कराया गया।

गौसपुर और शेखपुर में भी हुए हादसे इसके अलावा, दूसरा हादसा गौसपुर गुमटी के पास हुआ, जहाँ एक मालगाड़ी की चपेट में आने से एक गोवंश की मौत हो गई। वहीं, तीसरी घटना शेखपुर के पास सामने आई। यहाँ एक गोवंश ट्रेन से कट गया और उसका शव क्षत-विक्षत हालत में मिला। हालांकि, शेखपुर में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हादसा किस ट्रेन से हुआ। इन स्थानों पर भी गौरक्षा संघ के कार्यकर्ताओं और पुलिस की मदद से गोवंशों के शवों को दफन कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की सतर्कता से बची युवक की जान, आत्महत्या का प्रयास विफल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के द्वारा जनपदीय मीडिया सेल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस की सतर्क निगरानी व अफवाहों की रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। जिसके क्रम मे पुलिस मुख्यालय से जनपदीय मीडिया सेल को सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म (इंस्टाग्राम) पर आत्महत्या का संकेत देने वाला स्टेटस स्टोरी पोस्ट किया है, जिसमें वह दुपट्टे के सहारे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या का कदम उठाने की बात कर रहा है।लोकेशन सहित पोस्ट की संपूर्ण सूचना मिलते ही मीडिया सेल प्रभारी शशि शेखर जरोरा व सोशल मीडिया निगरानी ड्यूटी पर तैनात आरक्षी रजत द्विवेदी द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली भिनगा योगेश कुमार सिंह को अवगत कराया गया। प्रभारी निरीक्षक द्वारा तत्काल सक्रियता दिखाते हुए पुलिस टीम के साथ 20 मिनट के अंदर ही बताई गई लोकेशन पर पहुंचकर परिजन तथा युवक से मिलकर उसे आत्महत्या करने से रोक लिया गया। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि मेरी महिला मित्र से एक माह से बात नहीं हो रही थी इसलिए मैंने परेशान होकर पोस्ट कर दिया था। प्रभारी निरीक्षक द्वारा युवक की काउंसलिंग की गई तथा उसे समझाया गया कि इस प्रकार के नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। साथ ही, उसके परिजनों को भी इस घटना की जानकारी दी गई और उन्हें युवक की उचित देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। युवक ने भविष्य में इस प्रकार की गलती न करने का लिखित व मौखिक रूप से आश्वासन दिया। युवक के परिजनों द्वारा समय से पहुंचकर पुलिस द्वारा इस घटना के बारे में अवगत कराने के कारण बहुत-बहुत धन्यवाद दिया गया।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन घायल एक की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत जमुनहा-बहराइच मार्ग पर सैमबोर्ड स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

इस सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मनकौरा निवासी उदय राज पुत्र रामचंद्र उम्र 29 वर्ष अपने ससुराल हरिहरपुर महराजनगर गए हुए थे। वहां से वापस अपने घर लौटते समय जमुनहा की ओर से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में दूसरी बाइक पर सवार सत्रोहन पुत्र रामसूरत उम्र 28 वर्ष निवासी गुरचाही, थाना रुपईडीहा तथा ननकऊ वर्मा पुत्र ब्रह्मदत्त निवासी चितरहिया, जनपद बहराइच को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस सेवा 108 को सूचना दी।

एंबुलेंस द्वारा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया गया। सीएचसी मल्हीपुर में तैनात चिकित्सक डॉ. सिद्धेश वर्मा ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायल सत्रोहन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज सीएचसी में जारी है।

अंडरपास के पास झाड़ियों में एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी

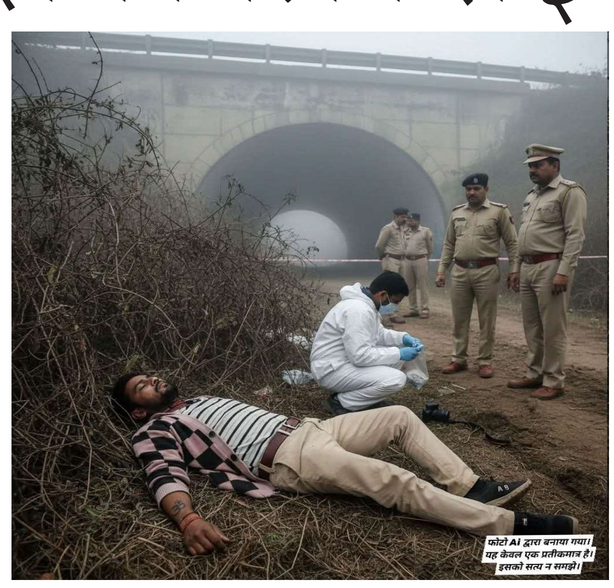

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी / फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के बहादुर नगला अंडरपास के पास झाड़ियों में एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मुखबिर की नजर पड़ने पर उसने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

मुखबीर की सूचना पर पहुंची पुलिस-मंगलवार की सुबह 6 बजे ग्रामीण दलवीर सिंह के पुत्र सुमित कुमार शौच के लिए जा रहे थे। उन्होंने सड़क पर एक अज्ञात शव पड़ा देखा, जिसके बाद उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। डायल 112 ने कोतवाली प्रभारी को घटना की जानकारी दी।मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। फोरेंसिक टीम को शव या किसी वाहन को घसीटने के निशान भी मिले हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अरुण कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अजय वर्मा और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे।

एएसपी अरुण कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि शव को किसी अन्य स्थान से लाकर यहां फेंका गया है। शव की पहचान के लिए सभी थानों और प्रधानों के ग्रुप में मृतक की तस्वीर साझा कर दी गई है।

शव के दोनों हाथों पर बने हैं टैटू मृतक के दाहिने हाथ की कलाई पर %विक्रम% नाम का टैटू गुदा हुआ है, जबकि बाएं हाथ पर %ओम% का टैटू बना है। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। उसने छोटी चेक में हल्के गुलाबी और काले रंग का स्वेटर, काली व सफेद लाइन वाली गर्म टी-शर्ट और सफेद-ग्रे लाइनिंग वाली शर्ट पहन रखी थी।

इसके अलावा उसने बादामी रंग की पैंट, भूरे रंग की बेल्ट और एक पैर में एयर 9 का काला जूता पहन रखा था। शव की गर्दन पर किसी रस्सी या तार से गला घोंटने के काले निशान मिले हैं। मुंह से खून निकलने के निशान भी देखे गए हैं।

चौकी प्रभारी यतेंद्र सिंह ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। डीएसपी अजय वर्मा ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला को निर्देश दिए हैं कि कोहरा कम होने पर घटनास्थल की दोबारा गहन जांच कर साक्ष्य एकत्र किए जाएं।

What are the important things to keep in mind when eating sweets? Doctor's advice

In our country, sweets are considered a symbol of happiness. Many people love sweets. A doctor has given five important tips related to this, which everyone should know. In India, any joy is considered incomplete without sweets. Be it a festival, a wedding, or a small achievement, sweets are an important part of our culture. But did you know that if this sweet taste is not properly absorbed into the body, it can lead to many serious diseases? Uncontrolled consumption of sweets increases the risk of life-threatening diseases like diabetes, high cholesterol, fatty liver, PCOD, and even cancer. This doesn't mean you should give up sweets completely; rather, we need to eat them smartly. If we keep a few small but important things in mind while eating sweets, we can enjoy the sweet moments of life without harming our health. Only the right balance and wise choice can protect us from the trap of diseases. Health expert Dr. Shalini Singh Solanki has shared some advice on this important topic through a video on social media, which you should also know about. Combine healthy fats with fruits - People often think eating fruits is completely safe, but the natural sugar in fruits (fructose) can also rapidly increase blood sugar. Dr. Solanki advises never to eat fruits alone. Always pair them with healthy fats like cashews, almonds, or walnuts. This combination slows down the absorption of sugar and provides stable energy. Dark chocolate - For any celebration, prefer dark chocolate over ordinary milk chocolate, which is high in sugar and milk. Dark chocolate is rich in antioxidants, which are good for the heart. You can enjoy one or two pieces of dark chocolate after meals. This will satisfy your sweet craving and will not harm the body. Choose low GI sweets - Instead of 'empty calorie' foods like ice cream or cake, eat sweets with low Glycemic Index (GI). Dr. Solanki suggests eating homemade gram flour laddu, chia pudding, makhana laddu or dry fruit laddu. These sweets are digested slowly and do not allow the sugar level in the body to increase suddenly. Say 'no' to refined sugar, 'yes' to natural sugar White sugar or refined sugar is the biggest enemy of health. Instead of this, use natural sweeteners like jaggery, honey, dates or molasses. These alternatives not only provide sweetness but also contain iron and other minerals. However, despite being natural, they should be consumed in moderation to keep your weight under control. Opt for herbal drinks instead of cold drinks. Cold drinks served at parties and excessive tea and coffee can cause sugar levels to spike. Instead, try a decoction made with ginger, cardamom, and cinnamon, or fresh fruit juice. These herbal drinks not only detoxify the body but also boost your immunity and reduce the side effects of sugar cravings.

Has cold weather worsened your back and shoulder pain? Learn how to prevent it.

North India is experiencing severe cold weather. This often leads to some people experiencing cold, which can lead to back and shoulder pain. Let's explore how to prevent this in detail in this article. As soon as the harsh winter begins, many people begin to complain of severe pain and stiffness in the back, neck, and shoulders. According to medical science, when temperatures drop, our bodies constrict blood vessels to conserve heat, reducing blood flow to the muscles. This results in stiffening of muscles and increased pressure on nerves, which can trigger chronic pain. Furthermore, cold weather reduces our physical activity, and we often sit or lie in poor postures for hours, putting additional strain on the spine and shoulders. Direct exposure to cold winter winds can cause muscle spasms. If this pain is not treated promptly, it can become a chronic problem. Home remedies and proper fomentation can provide significant relief from winter pain. Warm oil massage - Warm oil massage is the most effective traditional remedy for cold pain. Cook garlic and celery in mustard oil and strain it. Now, sit in front of a heater and gently massage your back and shoulders with this lukewarm oil. The warmth of the heater and the nourishment of the oil penetrate deep into the muscles, increasing blood circulation and immediately relieving stiffness. Choosing the right clothing - We often wear heavy jackets, but layering is essential to protect our back and shoulders from the cold. Use thermal wear to keep your back straight and warm. If you ride a bike, keep your shoulders and neck covered with a muffler. Remember that the warmer your joints are, the less likely you are to experience pain. Stretching and light exercise - Avoid sitting under blankets for hours in the cold. Get up and stretch every hour. Rotate the neck clockwise and anti-clockwise and stretch the shoulders backwards. In yoga, 'Bhujangasana' and 'Merkatasana' are considered a panacea for back pain. These asanas increase the flexibility of the spine and relax the muscles. Pay attention to diet and hydration - To cure the pain from within, include anti-inflammatory foods like turmeric, ginger and fenugreek in the diet. Often in winters we drink less water, which causes dehydration in the body and increases muscle cramps. Therefore, drink lukewarm water throughout the day. If the pain is unbearable or you feel numbness in the legs, then immediately consult a specialist doctor.

How does your body change in the first 30 days after quitting smoking? Learn more here.

Smoking is a very bad habit that troubles many people. It's important to note that it negatively impacts our health, increasing the risk of many serious diseases. Let's find out what symptoms appear in the body in the first 30 days after quitting this habit. Quitting smoking is one of the most challenging decisions in life. Many people make a New Year's resolution to quit smoking. As soon as you smoke your last cigarette, your body begins to heal itself at an incredible speed. Within just 20 minutes of quitting, your heart rate and blood pressure begin to return to normal. After 12 hours, carbon monoxide levels in your blood drop, allowing more oxygen to reach the body's organs. Within the next 24 hours, your risk of heart disease begins to decrease. Although you may experience withdrawal symptoms like cravings, irritability, and decreased concentration due to the lack of nicotine, this is a sign that your body is eliminating toxins. This initial period is the most difficult, but physically beneficial for your lungs and arteries. Initial 2 to 7 days: Within 48 hours of quitting smoking, damaged nerve endings begin to grow again. You'll suddenly notice that food tastes better and the scent of flowers or perfumes becomes more pronounced. After three days, the bronchial tubes in your lungs begin to relax, making breathing easier and increasing your energy level. By this time, your body is completely free of nicotine. Within the next 10 to 15 days: Within two weeks, your blood circulation improves significantly. You won't feel as tired as you used to while walking or climbing stairs. The mucus in your lungs begins to clear, and inflammation in your airways subsides. This is also the time when your gums and teeth begin to look healthier as blood flow in your mouth improves. The effects will be visible in 20 to 30 days: By the end of a month, the cilia (tiny hair-like structures that expel dust and infection) in your lungs become active again. This reduces the risk of lung infections, and coughing or shortness of breath virtually disappears. Your skin also begins to glow, receiving adequate oxygen and nutrition. Your self-confidence increases, and the mental bondage to nicotine begins to weaken. The foundation for a healthy future: Completing 30 days is proof that you've overcome the most difficult obstacle. Your body is now rapidly progressing towards reducing your risk of heart attack and lung cancer. Keep in mind that sometimes you may feel like giving up on this journey, but the pace of your physical recovery is enough to keep you motivated. To make this change permanent, incorporate a healthy diet and exercise into your daily routine.

How much did Sunny Deol, Varun Dhawan, and Diljit Dosanjh charge for "Border 2"? Learn the full details.

Fans are eagerly awaiting the release of "Border 2." The song "Ghar Kab Aaoge" was recently released. Each star has worked incredibly hard for the film. But do you know their fees? Find out how much each star of anticipated film of 2026, "Border 2," is January 23, 2026, just before Republic has generated considerable buzz for its let's take a look at the film's cast's fees. film's producers have not officially to media reports, Sunny Deol is the ?50 crore for his role. Sunny Deol was Diljit Dosanjh's Fees - In addition to also received substantial fees. According ?8-10 crore for 'Border 2,' while Diljit Cast Fees - In addition to the main cast, and Medha Rana also play supporting disclosed, but it is being said that they About 'Border 2,' the first film, Longewala during the 1971 Indo-

"Border 2" charged. The highly scheduled to release in theaters on Day. Directed by Anurag Singh, the film cast and story. With a sequel on the way, Sunny Deol charges the highest fee - The disclosed the actors' salaries, but according highest-paid actor. He reportedly charged also in the first film. Varun Dhawan and Sunny, Varun Dhawan and Diljit Dosanjh to media reports, Varun Dhawan charged Dosanjh charged ?4-5 crore. Supporting Ahan Shetty, Sonam Bajwa, Mona Singh, roles. Their exact salaries have not been also received substantial sums in crores. 'Border,' was based on the Battle of Pakistani War. Released in 1997, this film is still considered one of the best and most emotional war films. Now Sunny Deol, Varun Dhawan, Diljit Dosanjh, Ahan Shetty, Sonam Bajwa, Mona Singh and other actors will be seen in its sequel.

Anurag Kashyap reviewed "Dhurandhar," making a significant statement about Aditya Dhar and Ranveer Singh; saying, "Two propaganda dialogues..."

The Aditya Dhar-directed film "Dhurandhar" is currently ruling theaters. Anurag Kashyap has also given his review of the film. What is his opinion on the film? Find out. "Dhurandhar" has been in theaters for 30 days. The film audiences are appreciating the film, some are director Anurag Kashyap also shared his with two dialogues: Anurag Kashyap posted Letterboxd, a film review platform. He hatred and anger towards the enemy doesn't have anger towards the enemy had a problem with two scenes: when will think about the country. The second India. Putting these two dialogues aside, this Aditya Dhar and Ranveer Singh - Anurag film, set entirely in Pakistan. I have known winning film 'Boond'. This is his politics, true an honest man. He is not an opportunist like Kashmiri Pandit who has suffered. You can you like 'The Hurt Locker', 'Zero Dark winning propaganda films about USA. I filmmaking and the stubbornness of the film

has already surpassed the 800 crore rupee mark. While accusing it of being a propaganda film. Recently, perspective on the film. Anurag Kashyap has a problem a review of "Dhurandhar" on his profile page on writes, "A spy cannot be a spy if he does not harbor country." Even a soldier cannot be a soldier if he country. I have no problem with these two things. I Madhavan says that a day will come when someone dialogue is when Ranveer says that this is the new is a good film.' What Anurag Kashyap said about Kashyap further writes, 'Actually, this is a brilliant director Aditya Dhar since his National Award-politics. You may agree or disagree with it, but he is others. All of Aditya's films are about Kashmir; he is a argue with him or leave it. But the film is top-class. If Thirty' or 'House of Dynamite', then these are Oscar ignored two propaganda dialogues. But I liked the maker.'- Anurag called Ranveer Singh's acting in the film 'Dhurandhar' his favourite. In the end, he called the film 'Dhurandhar' an important film. 'Dhurandhar' crossed the 800 crore mark on the weekend- 'Dhurandhar' made a big bang at the box office. It crossed the 800 crore net collection mark on the 30th day of its release and became the first Hindi film to do so.

Upcoming films in the Maddock horror-comedy universe include 'Shakti Shalini' and 'Chamunda'. Find out the release dates.

Several films are coming from Maddock's horror-comedy universe, with characters connecting with each other in subsequent films. This list includes films ranging from 'Shakti Shalini' to 'Bhediya 2'. Most of Maddock Films' films are based on Indian folklore, including films like 'Stree', 'Bhediya', and 'Munja'. 'Shakti Shalini', 'Chamunda', 'Bhediya 2', 'Stree 3', and 'Maha Munja' are all part of this universe. Find out when these films will be released. Shakti Shalini was announced around the time of the release of 'Thama'. The film will tell the story of a superhero-like female character. Aneeth Padda will play the lead role in the film. This will be a horror-comedy story involving supernatural forces. Originally scheduled for release on December 31, 2025, it will now be released on December 24, 2026. Chamunda - "Chamunda" is also part of Maddox Films. This film is reportedly inspired by the goddess Chamunda. Alia Bhatt will play the lead role, and Akshay Kumar will play the villain. The story will be more dark horror and mystery, focusing on a supernatural power that terrorizes a small town. The film will be released on December 4, 2026. Bhediya 2 - Varun Dhawan becomes a werewolf in the first "Bhediya." "Bhediya 2" will continue that story. Varun Dhawan will reprise the role of Bhaskar in the film. It will feature

horror, comedy, and more action than before. The film will be directed by Amar Kaushik. This film is expected to be released on August 14, 2026. 'Stree 3' - The sequel to 'Stree' and 'Stree 2', 'Stree 3' will continue the story of the mysterious Chanderi. In addition to Shraddha Kapoor, Rajkummar Rao, Pankaj Tripathi, Abhishek Banerjee, and Aparshakti Khurana are also expected to appear in the film. This time, the focus will be more on the mystery surrounding Sarkata and 'Stree', meaning the horror-comedy will be doubled. This film is expected to be released on August 13, 2027. 'Maha Munjya' - The sequel to 'Munja' will be titled 'Maha Munja'. Abhay Verma, Sharvari Wagh, and other actors are expected to reprise their roles. This time, Munja's terror will be even greater. There will be more horror and comedy than before. 'Maha Munjya' is expected to be released on December 24, 2027.